हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, बुधवार, 26 फरवरी 2025

तापमान

अधिकतम 27 .5 डिग्री
न्यूनतम 9 .5 डिग्री

12 कैडेट आयुष सिन्हा ने अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में विश्व स्तर पर पांचवां स्थान लेकर रचा इतिहास

12 आज धूमधाम से मनाया जाएगा महाशिवरात्रि पर्व, श्रद्धालु करेंगे भोले शंकर का जलाभिषेक

DK Realestate
A name you can trust it.
DK Real Estate
सुनहरा अवसर
लेकर आया है आपके लिए रेवाड़ी की प्राइम लोकेशन नया बस स्टैण्ड व मैट्रो स्टेशन के पास
आप सभी के लिए
100 गज का प्लाट मात्र
1 लाख में* लक्की ड्रा के तहत
Website : www.dkrealestate.co.in
Dinesh Kumar dkrealestaterewari DK Real Estate
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।
9467141575

खबर संक्षेप

कंपनी के बाहर खड़ी बाइक चोरी

बावल। आईएमटी में चोर एक कंपनी के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में राजस्थान के सिरोड निवासी हरपाल ने बताया कि वह किसी काम से सेक्टर-9 की एक कंपनी में आया था। दोपहर करीब 12 बजे वह बाइक बाहर खड़ी करने के बाद कंपनी के अंदर चला गया। कुछ देर बाद वह वापस आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। कसोला पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

बाइक चोरी मामले में एक और गिरफ्तार

बावल। सीनियर सैकंडरी स्कूल के सामने से वर्ष 2023 में चोरी हुई बाइक के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। तिवाड़िया चौक निवासी महेश की बाइक स्कूल के सामने से 14 मई 2023 को चोरी हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के बसई भोपालपुर निवासी साहिल को अब गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल भेज दिया।

दो स्थानों से बिजली ट्रांसफार्मर चोरी

बावल। औद्योगिक एरिया सहित दो स्थानों से चोर बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। कसोला पुलिस को दर्ज शिकायत में बिजली निगम के एसडीओ ने बताया कि एचएसआईआईडीसी के सेक्टर 3 में लगा 200 केवीए क्षमता का बिजली ट्रांसफार्मर चोरी हो गया। वहीं दूसरी ओर बगथला के निकट पब्लिक हेल्थ की साइट से भी चोर एक 25 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। इससे निगम को 3.70 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

गोकसी एक्ट का आरोपी वर्षों बाद गिरफ्तार

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस गोकशी एक्ट के तहत करीब 12 साल पहले दर्ज केस के एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस मामले में अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस गायों को मुक्त कराते हुए 13 अप्रैल 2013 को गोकशी एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में पलवल के उटावड़ निवासी भूपत उर्फ जान मोहम्मद पुलिस गिरफ्त से बाहर चल रहा था। उसे गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे उसे जेल भेज दिया गया।

महिला उत्पीड़न मामले में मां-बेटा गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने महिला के साथ अत्याचार करने के आरोप में उसके पति व सास को गिरफ्तार किया है। महिला ने पुलिस शिकायत में पति व ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट करने के आरोप लगाए थे। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने गत वर्ष 7 अक्टूबर को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने मामले के आरोपी राजस्थान के रामपुर निवासी प्रवीण व उसकी मां सुरेश देवी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

गोशाला में जगह नहीं होने के कारण आठ दिन से गोवंश नहीं पकड़ रही एजेंसी

सड़कों पर एग्रेसिव हो रहे गोवंश, हमले में दादी पोती चोटिल, आईटीआई के छात्रों ने बचाई जान

■ अब तक पकड़े जा चुके 508 गोवंश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। पटौदी रोड पर प्लाट में खड़ी एग्रेसिव गाय, गाय के हमले में घायल बुजुर्ग महिला गोमी देवी ट्रामा सेंटर में उपचाराधीन, गाय के हमले में चोटिल बच्ची। फोटो :हरिभूमि

नगर परिषद की कार्यशैली से लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। बेसहारा गोवंश को पकड़ने के लिए लाखों का टेंडर देने के बाद भी सड़कों पर घूमते गोवंश लोगों के लिए आफत बने हुए है। सड़कों पर घूमते गोवंश एग्रेसिव होकर लोगों पर हमला बोल रहे है। बुधवार सुबह शहर के पटौदी रोड पर आईटीआई के पास एक गाय ने दादी-पोती पर हमला कर दिया। आईटीआई के छात्रों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों की जान बचाई, लेकिन इस बीच गाय ने दोनों को घायल कर दिया। बुजुर्ग महिला को ज्यादा चोटें आई है। महिला व बच्ची ट्रामा सेंटर में उपचाराधीन है। लोगों का कहना है कि पटौदी रोड पर एक गोवंश तीन दिन से आतंक मचा रहा है। गाय आने जाने वाले लोगों पर जानलेवा हमला कर रही है। बुधवार को भी पटौदी रोड पर 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला गोमी देवी अपनी करीब तीन वर्षीय पोती को कुछ सामान दिलाने के लिए दुकान पर जा रही थी, इसी दौरान गोवंश ने दोनों पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। ऐसे में बड़ा सवाल य है कि लाखों रुपये का टेंडर देने के बाद भी सड़कों पर गोवंश क्यों नजर आ रहे है, जबकि एजेंसी का कहना है कि गोवंश लगातार पकड़े जा रहे है। नगर परिषद ने गोवंश पकड़कर गोशालाओं में छोड़ने के लिए रॉयल एंटरप्राइजेज कंपनी को एक साल का ठेका दिया गया है। एजेंसी की ओर से पिछले दिनों 508 के करीब गोवंश पकड़ कर गोशाला में छोड़े जा चुके है। एजेंसी की ओर से 21 जनवरी से 17 फरवरी तक 508 गोवंश पकड़कर गोशाला भेजे जा चुके है।

फिलहाल गोशाला में जगह नहीं होने के कारण आठ दिन से गोवंश पकड़ने का कार्य बंद है। एजेंसी के सदस्य मोहित ने बताया कि बुधवार को परमिशन मिल गई है। अब वीरवार से गोवंश पकड़ने का कार्य फिर से शुरू कर दिया जाएगा। शहर में गोवंश के हमले से नई बस्ती निवासी व्यापारी के घायल होने तथा एक बुजुर्ग की जान जाने के बाद डीसी ने नगर परिषद अधिकारियों को प्रतिदिन 40 गोवंश पकड़कर गोशाला भेजने के आदेश दिए थे। डीसी ने गोवंश पकड़ने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए तथा पुलिस को भी ओदश दिए थे।

पशुपालकों के गोवंश बन रहे आफत

नगर परिषद की ओर से शहर का कैटल फ्री बनाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे है। एजेंसी सड़कों से गोवंश पकड़कर गोशालाओं में छोड़ रही है, लेकिन पशुपालक जुर्माना भरकर इनकों फिर से छुड़ा कर ला रहे है। शहर की सड़कों पर घूमते ज्यादातर गोवंश पशुपालकों के ही है। पशु पालक दूध दोहने के बाद गोवंश को खुले में छोड़कर लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रहे है। ये गोवंश सड़कों पर एग्रेसिव होकर लोगों पर जानलेवा हमले करते है। काफी बार तो सांड आपस में लड़कर लोगों को घायल करने के साथ जान भी ले चुके है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक प्रकरण का चौथा आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में पेपर लीक का आरोपी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

वर्ष 2021 में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करने के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक आरोपी की मौत हो चुकी है। सीएम फ्लाइंग ने एयरफोर्स, आईटीबीपी, डीएमआरसी व एचएसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करने के मामले में जांच की थी। जांच के बाद सीएम फ्लाइंग की ओर से कोसली पुलिस स्टेशन में लिलोढ़ निवासी सचिन व उसके साथियों पर 16 सितंबर 2021 को जालसाजी का केस दर्ज कराया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद सचिन व उसके दो अन्य साथियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने अब इस मामले में एक अन्य आरोपी माता मोहल्ला निवासी योगेश कुमार को गिरफ्तार किया है।

एक अन्य आरोपी की मौत हो चुकी है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद एक दिन के रिमांड पर लिया है।

युवती अपहरण मामले में पुलिस खाली हाथ, किराए पर ली गई थी थार गाड़ी, प्रेम प्रसंग से जुड़ा है मामला

■ एसएचओ ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। वारदात में इस्तेमाल की गई थार गाड़ी, सीसीटीवी कैमरे में कैद आरोपी युवक, थाने में एसएचओ से मिलने पहुंचे ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

बावल थाना क्षेत्र के एक गांव से बीते सोमवार को दिनदहाड़े युवती का अपहरण करने के मामले में पुलिस अभी तक खाली हाथ है। मंगलवार को युवती का पता लगाने व आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पंचायत ने एसएचओ संजय कुमार से मुलाकात की। एसएचओ ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। आरंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ नजर आ रहा है। जिस थार गाड़ी का अपहरण में इस्तेमाल किया गया, वह गाड़ी राजस्थान से किराए पर ली गई थी। यह गाड़ी पुलिस बरामद कर चुकी है, परंतु युवती व आरोपियों का अभी तक पता नहीं लग सका है।

नारनौल के नांगल चौधरी क्षेत्र के एक गांव निवासी 23 वर्षीय युवती अपनी बुआ के घर बावल क्षेत्र के एक गांव में आई हुई थी। कुछ दिन बाद ही युवती की शादी तय की हुई है। उसका रिश्ता भी बावल क्षेत्र के एक गांव में किया हुआ है। सोमवार सुबह करीब 11 बजे एक थार गाड़ी कुएं पर बने मकान के पास आकर रुकी। गाड़ी से उतरे चार युवक मकान में घुसे। वहां मौजूद दो महिलाओं से मारपीट करते हुए युवती को गाड़ी में बैठाकर ले गए। युवती के फुफुरे भाई ने छत पर चढ़कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने के बाद बावल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की थी। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। मंगलवार सुबह गांव की एक पंचायत पुलिस थाने आकर एसएचओ से मिली। महिलाओं से मारपीट करने और युवती का अपहरण करने वालों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई। एसएचओ संजय कुमार ने ग्रामीणों को बताया कि वारदात में प्रयुक्त थार गाड़ी को बरामद कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने और युवती की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने थार गाड़ी बरामद करने के बाद पंजीकरण नंबर के आधार पर पता लगाया तो यह गाड़ी राजस्थान की निकली। गाड़ी के मालिक ने पुलिस को बताया कि वह गाड़ी किराए पर देने का कार्य करते हैं।

ढाणी भाठोठा निवासी कृष्ण कुमार ने अपनी बाइक छोड़कर थार गाड़ी शादी में जाने के लिए किराए पर ली थी। उसके साथ उसका एक दोस्त भी मौजूद था। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में ले लिया है। अब आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि युवती व मुख्य आरोपी युवक के गांवों के बीच ज्यादा दूरी नहीं है। दोनों की पहले से जान-पहचान बताई जा रही है। उनके बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती का रिश्ता तय होने के बाद शादी तक उसे बुआ के घर भेजा गया था, जहां से उसे साथ ले जाने के लिए युवक ने गैर कानूनी तरीके का इस्तेमाल किया।

मौसम अगले तीन दिनों तक बूंदाबांदी होने के आसार, कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की भी आशंका

मौसम ने एक बार फिर ली करवट, बादल छाने से बनी बूंदाबांदी की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। मंगलवार दोपहर को छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

फरवरी माह के अंत में मौसम एक बार फिर बदल गया है। आसमान में छाए घने बादलों से बूंदाबांदी संभावना बन गई है। तापमान में वृद्धि के बावजूद मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया है। अगले दो-तीन दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान कहीं हल्की बरसात, तो कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। तापमान में उतार-चढ़ाव लगातार बना रह सकता है।

मंगलवार को सुबह से ही आसमान साफ रहा। मौसम का मिजाज दोपहर तक गर्म बना रहा। दोपहर बाद घने बादल छाने से बूंदाबांदी की संभावना नजर आने लगी। मौसम में ठंड का असर शुरू हो गया। अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 27.5 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 0.7 डिग्री की वृद्धि के साथ 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान बढ़ने के कारण अभी तक दोपहर के समय गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। सुबह और शाम के समय ही ठंड का अहसास होता है। दिन और रात के तापमान में ज्यादा अंतर आने से मौसम जनित रोग बढ़ रहे हैं। सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार के रोगियों की संख्या में बढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से लेकर आने वाले सप्ताह के अंत तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। आसमाान में बादलों के साथ बूंदाबांदी या हल्की बरसात हो सकती है। 28 फरवरी को तेज हवाओं के साथ बरसात और ओलावृष्टि का अनुमान लगाया जा रहा है। तापमान में उतार-चढ़ाव लगातार बना रह सकता है।

बादल बढ़ाने लगे किसानों की चिंता

मौसम विभाग की ओर से आने वाले दिनों में बरसात के ओलावृष्टि की आशंका भी जाहिर की गई है। इस समय सरसों की अगेती फसल पककर तैयार हो रही है। गेहूं की फसल में दाना बनना शुरू हो गया है। मौसम में बदलाव से दोनों फसलों को फायदा हो सकता है, परंतु अगर ओलावृष्टि होती है तो इससे दोनों फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। अभी तक मौसम लगातार फसलों के लिए अनुकूल बना रहा है। फसल पकाव व कटाई के मौके पर ओलावृष्टि फसलों को बर्बाद कर सकती है। आसमान में बादल देखकर ही किसानों की चिंता बढ़ रही है।

शराब के नशे में सिक्योरिटी गार्ड पर हमला, आरोपी काबू

रेवाड़ी। सनसिटी में शराब के नशे में धुत एक युवक ने सिक्योरिटी गार्ड पर हमला कर दिया। घायल सिक्योरिटी गार्ड को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। साधुशाह नगर निवासी दयानंद सनसिटी के एक ब्लॉक में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में तैनात था। आरोप है कि इसी दौरान वहां उत्तम नगर निवासी कपिल आ गया। वह शराब के नशे में धुत था, जिस कारण दयानंद ने उसे सोसायटी से बाहर जाने के लिए कहा। इसी दौरान कपिल ने दयानंद के सिर पर डंडे से वार कर दिया। इससे दयानंद के सिर में काफी चोटें आरइं। दयानंद ने अपने बेटे मनीष को फोन पर घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मनीष ने मौके पर जाकर अपने पिता को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने तुरंत केस दर्ज करने के बाद आरोपी कपिल को गिरफ्तार कर लिया।

सोना या शेयर... कहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद

- दोनों के 20 साल के रिटर्न से समझें पूरी रणनीति
- सोने की कीमतों में 2023-2025 में बढ़ोतरी जारी
- भू-राजनीतिक तनाव से कीमतें प्रभावित हुई
- सोने व सेंसेक्स ने पिछले 20 वर्षों में समान रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

वर्ष 2023 से सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है, जो 2025 में भी जारी है। ये बढ़ोतरी भू-राजनीतिक तनावों, मुद्रास्फीति और शेयर बाजार की गिरावट के कारण हुई है। पिछले 20 वर्षों में सोना और सेंसेक्स ने समान रिटर्न दिया है, जिससे दोनों निवेशों की अहमियत स्पष्ट होती है। सोना रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2023 और 2024 में सोने की कीमतों में 13% और 27% की बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में भी यह तेजी जारी है। अब तक इससे लगभग 10% का रिटर्न मिल चुका है। इस सोने की दौड़ के पीछे कई कारण हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में गिरावट शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से सोने को इन जोखिमों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका माना जाता रहा है।

इस बात को भूल जाते हैं लोग

अंतराष्ट्रीय सोने की कीमत अमेरिकी डॉलर में होती है। डॉलर में किसी भी मजबूती का मतलब भारतीय रुपये में कमजोरी है। ऐतिहासिक रूप से रुपये ने डॉलर के मुकाबले मूल्य खोया है। इसलिए जब रुपया कमजोर होता है तो सोने का मूल्य बढ़ता है। यह सोने के भारतीय रुपये-मूल्यवर्ग के रिटर्न को बढ़ाता है। भारतीय निवेशकों के लिए सोने में अतिरिक्त रिटर्न (सालाना 2% और 3% के बीच) रुपये के अवमूल्यन से आया है।

इसलिए डायवर्सिफिकेशन जरूरी : सोना और स्टॉक अलग-अलग प्रकार के निवेश हैं, उन्होंने दो दशकों में समान रिटर्न प्रदान किया है। एक दूसरे से बेहतर हैं या नहीं यह बाजार की स्थितियों, जोखिम की भूख और निवेश लक्ष्यों पर निर्भर करता है। इक्विटी और बॉन्ड के साथ सोने में अच्छा निवेश कॉन्सेंट्रेशन रिस्क को कम करते हुए पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान करता है। कुल मिलाकर आपके एसेट एलोकेशन के हिस्से के रूप में दोनों का सही अनुपात में होना जरूरी है।

सोने में तेजी की वजह क्या

2020 के बाद भू-राजनीतिक तनाव ने सोने की कीमतों को हवा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दरों में कटौती के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास संघर्ष और चीन-ताइवान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सोने की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी से वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्रंप की टैरिफ नीतियां व्यापार युद्ध शुरू कर सकती हैं। इसका वैश्विक मुद्राओं पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। सोने का भाव देश में 89 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। कुछ समय पहले बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स भी 25 सितंबर, 2024 को पहली बार 85,000 के स्तर को पार कर गया था। सेंसेक्स 27 सितंबर, 2024 को 85,978 के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। यह 85,571 पर बंद हुआ था, जो अब तक का सबसे ऊंचा लेवल है। आइए देखते हैं कि पिछले 20 वर्षों में रिटर्न के मामले में दोनों में किसने बाजी मारी है।

किसने मारी बाजी

2005 में सेंसेक्स 8,000 पर था। वहीं, सोना लगभग 7,000 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोना और सेंसेक्स (29 सितंबर, 2024) दोनों 85,000 रुपये को पार कर गए। दोनों के बीच यह स्तर छूने में चार महीने का अंतर रहा। हालांकि, एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट व्यू ऐसे अंतरों को दूर करता है। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) फॉर्मूला का इस्तेमाल करते हुए दोनों एसेट्स ने पिछले 20 सालों में 12% से 13% का वार्षिक रिटर्न दिया है। क्या यह एक अद्भुत संयोग नहीं है? लेकिन एक बात है, जिसे लोग अक्सर भूल जाते हैं।

एसबीआई जन निवेश की 250 रुपये वाली एसआईपी कितनी बेहतर होगी

- इस योजना में कितना मिलेगा रिटर्न, किस स्कीम में जाएंगे आपके पैसे
- निवेश करने से पहले इस स्कीम के पिछले आंकड़े जांचे

तैयारी
बिजनेस डेस्क

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ मिलकर जन निवेश एसआईपी लॉन्च की है, जिसके जरिये सिर्फ 250 रुपये की मंथली एसआईपी से निवेश की शुरूआत की जा सकती है। इसे म्यूचुअल फंड में निवेश को आम लोगों के बीच और पॉपुलर बनाने वाला कदम बताया जा रहा है। जो लोग इस जन निवेश एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाना चाहते हैं, उनके मन में पहला सवाल होगा कि इसमें निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस सवाल का जवाब जानने के लिए सबसे पहले तो यह मालूम होना चाहिए कि जननिवेश एसआईपी के जरिये जमा की जाने वाली हर रकम एसबीआई म्यूचुअल फंड की किस स्कीम में लगाई जाएगी। इसके बाद उस स्कीम के पिछले रिटर्न के आंकड़े यह अंदाजा लगाने में मदद करेंगे कि निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की संभावना हो सकती है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में जाएगी रकम

सबसे पहले बता दें कि जन निवेश एसआईपी से मिलने वाली सारी रकम एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में निवेश की जाएगी, जो एसबीआई म्यूचुअल फंड की एक हाइब्रिड स्कीम है। जैसा कि नाम से जाहिर है, यह एक बैलेंस्ड एडवांटेज फंड है, जिसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड भी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का ही दूसरा नाम है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की क्या है खूबी

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके जरिये निवेशकों के पैसों को बाजार की परिस्थितियों के हिसाब से इक्विटी और डेट में डायनैमिक ढंग से इनवेस्ट किया जाता है। सेबी के नियमों के तहत बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट दोनों की हिस्सेदारी 0 से 100 फीसदी तक कुछ भी हो सकती है। किस वक्त किस एसेट क्लास में कितने पैसे लगाने हैं, यह फैसला पूरी तरह फंड मैनेजर की समझदारी से किया जाता है. अगर मैनेजर को लगता है कि इक्विटी में रिटर्न गिरने वाला है, तो वह फंड को इक्विटी से डेट की तरफ ट्रांसफर कर सकता है और अगर शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की गुंजाइश नजर आती है, तो वह इक्विटी में फंड एलोकेशन बढ़ा सकता है। यानी इस हाइब्रिड फंड में पैसे लगाने पर निवेशकों को इक्विटी और डेट दोनों में निवेश का फायदा मिलने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि इसे संतुलित रिटर्न देने वाली स्कीम माना जाता है।

एसआईपी से जुड़े सात सवाल जवाब में छिपी फायदे की बात

- एसआईपी के जरिये किए गए निवेश से पूरा फायदा मिलेगा
- आप निवेश की इस रणनीति पर सही ढंग से अमल कर पाएंगे
- रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये करते हैं निवेश, इसमें नुकसान का कम रहता है जोखिम
- थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक पॉपुलर तरीका है। रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाते हैं, लेकिन क्या ज्यादातर निवेशक एसआईपी के जरिये निवेश की रणनीति को ठीक से समझते हैं? पिछले दिनों शेयर बाजार में गिरावट के दौरान अधिकांश फंड्स के एसआईपी रिटर्न भी घटे। उस पर निवेशकों के बीच जिस तरह से घबराहट देखने को मिली और लोग एसआईपी को कटघरे में खड़ा करने लगे, उसे देखकर तो यही लगता है कि इस बारे में और अधिक समझदारी बनाने की जरूरत है। अगर रिटेल निवेशकों को एसआईपी के जरिये निवेश का पूरा फायदा उठाना है, तो उनके लिए निवेश के इस तरीके को सही संदर्भ में समझना और उससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है।

एसआईपी क्या एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है

बहुत सारे इनवेस्टर एसआईपी को एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट समझ लेते हैं. जबकि सच ये है कि एसआईपी कोई अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट नहीं है। दरअसल, सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान किसी भी म्यूचुअल फंड में डिसिप्लिन के साथ रेगुलर इनवेस्टमेंट करने का एक तरीका है। ऐसा तरीका, जो निवेश करने की प्रक्रिया को आम निवेशकों के लिए आसान और सुविधाजनक बना देता है। साथ ही इसके जरिये रेगुलर इनवेस्टमेंट का डिसिप्लीन यानी अनुशासन भी मेंटेन किया जा सकता है। एसआईपी का मतलब है, आपके चुने हुए इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट यानी म्यूचुअल फंड स्कीम में, पहले से तय अंतर पर (मसलन, हर महीने या 3 महीने में) एक निश्चित रकम निवेश करना यानी इसमें एक फिक्स्ड रकम, पहले से तय फ्रीक्वेंसी के हिसाब से आपके चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश कर दी जाती है। यानी असल में आपका फंड या चुनी हुई स्कीम ही इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है, जबकि एसआईपी तो सिर्फ उसमें पैसे लगाने का एक सुविधाजनक और बेहतर तरीका है।

एसआईपी क्या एक अलग एसेट क्लास

नहीं। एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं है, लेकिन एसआईपी के जरिये आप अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करने वाले फंड्स में पैसे जरूर लगा सकते हैं। मिसाल के तौर पर अगर आप गोल्ड फंड में एसआईपी करते हैं, तो आपके पैसे उस फंड के जरिये गोल्ड में निवेश होते हैं। यानी एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं, बल्कि इनवेस्टमेंट का तरीका है। कुछ-कुछ वैसे ही, जैसे पोस्ट ऑफिस या बैंक में आप रिकरिंग डिपॉजिट के जरिये पैसे जमा करते हैं।

एसआईपी से तय होता है कम या ज्यादा रिटर्न

एसआईपी के जरिये किए जाने वाले निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह उस फंड के परफॉर्मेंस से तय होता है, जिसमें आप पैसे डाल रहे हैं। एसआईपी को निवेश का बेहतर तरीका इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसमें निवेश की टाइमिंग का टेंशन नहीं रहता है। यानी एक साथ पूरे पैसे लगाने की तुलना में एसआईपी के जरिये थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर इनवेस्टमेंट की टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम हो जाता है। इसका फायदा लंबे अरसे में मिलता है. लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि एसआईपी के जरिये निवेश करने पर मिलने वाला रिटर्न लंपसम यानी एकमुश्त निवेश के रिटर्न से हमेशा ज्यादा या कम ही होगा। इसकी वजह ये है कि लंपसम इनवेस्टमेंट का रिटर्न किसी हद तक निवेश की टाइमिंग पर भी निर्भर रहता है। एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाने पर रिटर्न की कोई गारंटी भी नहीं होती। इसका रिटर्न पूरी तरह उस म्यूचुअल फंड स्कीम के प्रदर्शन पर निर्भर है, जिसे आपने सेलेक्ट किया है।

एसआईपी क्या सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए

एसआईपी की बड़ी खूबी है कि आप इसके माध्यम से हर महीने सिर्फ 500 रुपये या उससे भी छोटी रकम से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं कि एसआईपी सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए है। सच तो यह है कि एसआईपी में इनवेस्टमेंट की कोई अपर लिमिट यानी ऊपरी सीमा नहीं होती। इसलिए बड़ी पूंजी लगाने वाले हाई नेटवर्थ निवेशक भी एसआईपी के जरिये निवेश करते हैं। उनकी एसआईपी में दिलचस्पी इसलिए रहती है, क्योंकि इसके जरिये पैसे लगाने पर बाजार के उतार-चढ़ाव से फायदा होता है। मार्केट चढ़ने पर एसआईपी की रकम में कम यूनिट्स मिलती हैं, लेकिन जब बाजार गिरता है, तो एसआईपी के उसी फिक्स अमाउंट में ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं। इस तरह लंबे अरसे के दौरान निवेश की एवरेज प्रति यूनिट कॉस्ट कम हो जाती है। इसी को रुपी-कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है, जो एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है।

एसआईपी क्या सिर्फ इक्विटी फंड्स के लिए

ऐसा सोचना सही नहीं है कि एसआईपी के जरिये सिर्फ इक्विटी फंड्स में ही निवेश किया जा सकता है। एसआईपी का इस्तेमाल आप डेट फंड्स या हाइब्रिड फंड्स से लेकर गोल्ड फंड तक, किसी भी म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसे लगाने के लिए कर सकते हैं। डेट फंड्स में एसआईपी के जरिये इनवेस्ट करना, कुछ-कुछ वैसा ही है, जैसे बैंक या पोस्ट ऑफिस के रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) में पैसे लगाना। डेट फंड्स में आमतौर पर इक्विटी फंड्स के मुकाबले ज्यादा स्टेबल रिटर्न मिलते हैं। इसलिए डेट फंड में एसआईपी करना उन निवेशकों के लिए बेहतर रहता है, जो ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते या जो शॉर्ट टर्म के लिए निवेश करना चाहते हैं।

एसआईपी के साथ क्या हमेशा लॉक इन पीरियड जुड़ा होता

टैक्स सेविंग इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स (ईएलएसएस) में किए गए निवेश पर 3 साल का लॉक-इन पीरियड लागू होता है, जबकि रिटायरमेंट फंड्स और चिल्ड्रेंस फंड्स में 5 साल का लॉक-इन होता है। यह लॉक-इन इन स्कीम्स में एसआईपी के जरिये निवेश करने पर भी लागू रहता है, लेकिन बाकी ज्यादातर ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड्स में आप अपने निवेश को कभी भी निकाल सकते हैं, अगर आप एसआईपी शुरू करने के बाद किसी वजह से उसे बीच में रोकना यानी पॉज करना चाहते हैं, तो आप यह काम भी बड़ी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आपको कोई एक्सट्रा फीस भी नहीं देनी पड़ती है। आप अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ यूनिट्स भी बेच सकते हैं। ऐसा करते समय एग्जिट लोड और मुनाफे पर लागू टैक्स की जानकारी जरूर कर लेनी चाहिए। एग्जिट लोड यूनिट्स के होल्डिंग पीरियड के हिसाब से अलग-अलग लगता है।

एसआईपी का 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना कितना सही

एसआईपी के जरिये किए गए निवेश पर सिर्फ 6 महीने या 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना सही नहीं है। इक्विटी फंड्स की एसआईपी के मामले में यह बात समझना और भी जरूरी है। दरअसल, इक्विटी फंड्स में एसआईपी करने वालों को हमेशा यही सलाह दी जाती है कि उन्हें 5 साल या उससे भी ज्यादा समय के लिए एसआईपी करने पर फोकस करना चाहिए, क्योंकि इनवेस्टमेंट पर एवरेजिंग और कंपाउंडिंग का पूरा फायदा लेने के लिए ऐसा करना बेहतर रहता है। हालांकि अपने निवेश के उद्देश्य और इनवेस्टमेंट होराइजन के हिसाब से आप कम समय के लिए भी एसआईपी कर सकते हैं.लेकिन उसके लिए सही स्कीम या फंड का सेलेक्शन जरूरी है। उदाहरण के लिए अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन या शॉर्ट ड्यूरेशन फंड जैसे डेट फंड को शॉर्ट टर्म एसआईपी के लिए बेहतर माना जाता है। लेकिन अगर आप स्मॉल कैप या मिड कैप जैसे किसी इक्विटी फंड में एसआईपी शुरू करने के बाद अगले 6 महीने या एक साल में शानदार रिटर्न की उम्मीद करने लगते हैं, तो जरूरी नहीं कि ऐसा हो।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का लंपसम रिटर्न

- 1 साल का रिटर्न : 9.9%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 12.69%
- लॉन्च से अब तक का औसत सालाना रिटर्न : 11.63%

ऐसा है फंड

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का बेंचमार्क निफ्टी-50 हाइब्रिड कंपोजिट डेबट 50:50 इंडेक्स है, जिसका 1 साल का रिटर्न 9.23%, 3 साल का 9.48% और लॉन्च से अब तक रिटर्न 8.67% रहा है. रिटर्न के ये आंकड़े एसबीआई म्यूचुअल फंड की वेबसाइट से लिए गए हैं। 31 जनवरी 2025 को स्कीम का एक्सपेंस रेशियो रेगुलर प्लान के लिए 1.57% और डायरेक्ट प्लान के लिए 0.69% था. एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 18 फरवरी 2025 तक अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक 32,953.27 करोड़ रुपये था।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का एसआईपी रिटर्न

- 1 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड) : 0.99% (रेगुलर प्लान), 1.92% (डायरेक्ट प्लान)
- 3 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड): 12.55% (रेगुलर प्लान), 13.6% (डायरेक्ट प्लान)

ऐसे कर सकते हैं निवेश

जननिवेश स्कीम को लॉन्च किए जाने से पहले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में मिनिमम एसआईपी अमाउंट 500 रुपये था, लेकिन अब नई पहल के तहत इसमें मिनिमम 250 रुपये की एसआईपी से भी निवेश की शुरुआत की जा सकती है। नई पहल के तहत एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम में एसबीआई योनो ऐप के अलावा पेटीएम, जिरोधा और ग्रो जैसे डिजिटल फिनटेक प्लेटफॉर्म के जरिये भी निवेश किया जा सकता है। इससे इनवेस्टर अपने मोबाइल से ही एसबीआई की शुरुआत कर पाएंगे।

पिछला रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पिछले रिटर्न के आंकड़े देखकर आप इस स्कीम के अब तक के प्रदर्शन का अंदाजा लगा सकते हैं. लेकिन म्यूचुअल फंड्स में पिछले प्रदर्शन के भविष्य में भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। फिर भी पिछले प्रदर्शन के आधार पर फंड मैनेजमेंट के बारे में कुछ अनुमान तो लगाया ही जा सकता है। इक्विटी में बड़े एक्सपोजर की गुंजाइश वाले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को रिस्कोमीटर पर हाई रिस्क वाला माना गया है।

निवेश करने के तुरंत बाद मेरे निवेश में गिरावट क्यों हो जाती है शुरू

सुझाव
संदीप वालुंज

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है, इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे बेहतर रहता है।

कई बार यह देखने में आता है कि आप निवेश करें यानी बाजार में पैसा लगाएं और एकदम गिरावट शुरू हो जाए। यह निराशाजनक महसूस करता है जब म्यूचुअल फंड या स्टॉक आपके निवेश के तुरंत बाद गिरने लगते हैं। हालांकि यह दुर्भाग्य की तरह लग सकता है, कई परिहार्य कारक इसमें योगदान करते हैं। निवेशक व्यवहार का दलबार मात्रात्मक विश्लेषण (क्यूएआईबी) लगातार दिखाता है कि व्यक्तिगत निवेशक व्यापक बाजार से कम प्रदर्शन करते हैं। यह काफी हद तक है क्योंकि वे निवेश करने से पहले स्पष्ट संकेतों या सकारात्मक गति की प्रतीक्षा करते हैं, अक्सर गलती करने या लाभ से चूकने के डर से प्रेरित होते हैं। जब तक वे रनिश्चितर महसूस करते हैं, तब तक बाजार पहले से ही वृद्धि में कीमत लगा चुका होता है, जिससे आगे तत्काल ऊपर की ओर बहुत कम गुंजाइश बचती है। इस प्रवृत्ति और निवेश के परिणामों पर इसके प्रभाव को व्यवहारिक वित्त अनुसंधान द्वारा उजागर किया गया है।

झुंड मानसिकता

निवेशक अक्सर दूसरों का अनुसरण करते हैं जब वे बढ़ती कीमतों को देखते हैं, यह सोचकर कि यह सुरक्षा का संकेत है। इससे बाजार की चोटियों के समय बड़े पैमाने पर निवेश हो सकता है जब आशावाद उच्चतम होता है, जिससे बाद में करेक्शन की संभावना बढ़ जाती है।

रीसेंसी बायस

लोग हाल के प्रदर्शन को अनुचित वजन देते हैं। जब कोई स्टॉक या फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह रसुरक्षितर निवेश की तरह लगता है; और लोग जोखिम रेटिंग को अनदेखा करते हैं। जोखिम से बचने वाले कई निवेशक स्मॉलकैप में तब निवेश करते देखे जाते हैं, जब वे काफी ऊपर चढ़ जाते हैं।

नुकसान का डर (जोखिम से बचना)

निवेशक निवेश करने में संकोच करते हैं जब बाजार अनिश्चित या अस्थिर होते हैं, स्थिरता के संकेतों की प्रतीक्षा करते हैं। दुर्भाग्य से, जब तक वे कदम उठाने का सोचते हैं, तब तक विकास की संभावना का एक बड़ा हिस्सा पहले ही घटित हो चुका होता है।

मार्केट टाइमिंग बायस

बाजार स्वाभाविक रूप से अस्थिर हैं, और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव सामान्य हैं। यदि आप बाजार के शिखर के दौरान या मूल्यांकन अधिक होने पर निवेश करते हैं, तो एक करेक्शन का पालन किया जा सकता है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि आपका निवेश गिरावट का कारण बना।

मीन रिवर्सन

मोमेंटम अक्सर शॉर्ट टर्म में स्टॉक या फंड को चलाता है, लेकिन इसका मतलब है कि रिवर्सन (औसत प्रदर्शन पर लौटना) अक्सर मध्यम अवधि में किक करता है. गति का पीछा करने वाले निवेशक इस स्थिर रूप से सामान्य घटना को 'निवेश के तुरंत बाद अंडरपरफॉर्मेंस' कह सकते हैं

दूसरों द्वारा लाभ लेना

जब स्टॉक बहुत तेजी से बढ़ते हैं, तो निवेशकों द्वारा लाभ लेने से गिरावट आ सकती है. उदाहरण के लिए, संस्थागत निवेशक अक्सर पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित करते हैं, ओवरवैल्यूड एसेट बेचते हैं और अंडरवैल्यूड खरीदते हैं. और चूंकि उनके पोर्टफोलियो बड़े हैं, इसलिए यह अक्सर गिरावट की ओर जाता है।

इस घटना से कैसे बचें

- **फंडामेंटल के आधार पर इन्वेस्ट करें** : हाल के प्रदर्शन या रुझानों के बजाय किसी परिसंपत्ति के आंतरिक मूल्य पर ध्यान दें। वैल्यूएशन, अर्निंग ग्रोथ या सेक्टर आउटलुक जैसे मेट्रिक्स का इस्तेमाल करके म्यूचुअल फंड या स्टॉक्स का मूल्यांकन करें।
- **सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का उपयोग करें** : एकमुश्त निवेश करने के बजाय, एसआईपी आपको समय-समय पर निवेश करने की सुविधा देता है, जिससे बाजार की अस्थिरता का प्रभाव कम होता है।

अनुसंधान और विविधता

केवल पिछले प्रदर्शन पर भरोसा करने से बचें। इसके अलावा, एक क्षेत्र में खराब समय के प्रभाव को कम करने के लिए अपने निवेश को परिसंपत्ति वर्गों, क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में निवेश करे

निवेश योजना पर टिके रहें

निवेश को अपने लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के साथ संरेखित करें। अल्पकालिक परिवर्तनों के लिए भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया करने से बचें।

'टाइमिंग द मार्केट' के प्रलोभन से बचें

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है। इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करें। समय के साथ, अनुशासित और सूचित निवेश आपको इन अल्पकालिक रडिप्स से बाहर निकलने और अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। जैक बोगल के शब्दों को दोहराते हुए, मैं निवेशकों से यह कहते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा: 'अस्थिरता आपका मित्र है, आवेग आपका शत्रु है'।

(लेखक मोतीलाल ओसवाल फायनांशियल सर्विसेस लिमिटेड के ग्रुप चीफ मार्केटिंग ऑफिसर हैं।)

सड़कों पर कूड़ा डालने व अवैध होर्डिंग पर जुर्माने के साथ दर्ज होगी एफआईआर

खास बातें
- डीएमसी डा. आनंद कुमार शर्मा ने सचिवों की बैठक में दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला के सभी शहरों की साफ सफाई व सुंदरता को लेकर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा, जो नागरिक सड़कों पर कूड़ा डालता मिले तो उस पर न केवल जुर्माना लगाया जाए, बल्कि एफआईआर भी दर्ज कराएं। इसके अलावा अवैध रूप से लगे फ्लेक्स व होर्डिंग पर भी ऐसी ही कार्रवाई की जाए। ये निर्देश जिला नगर आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय में सभी पालिकाओं व नगर परिषद के सचिव की बैठक में दिए।

डीएमसी ने कहा कि सरकार के निर्देश पर शहरों की सुंदरता व साफ सफाई पर अब विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्य में आम नागरिक भी सहयोग करें। शहरों में कहीं भी अवैध होर्डिंग नहीं लगना चाहिए। अगर कोई भी नागरिक कहीं भी अवैध तरीके से होर्डिंग लगता है, तो उसके खिलाफ डिफेंसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट के तहत मामला भी दर्ज किया जाएगा। कहीं भी होर्डिंग लगाने से पहले संबंधित नगर पालिका व नगर परिषद की इजाजत लेनी होगी। उन्होंने बताया कि शहरों में सड़कों पर कूड़ा डालने वालों के खिलाफ किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। इसके लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है कि वे ऐसा करने वाले नागरिकों के बारे में बताएं। ऐसे नागरिकों पर जुर्माना के साथ.साथ एफआईआर भी दर्ज की जाएगी।

उन्होंने कहा कि नागरिकों की मांग पर अब संबंधित वार्ड के दरोगा तथा उस वार्ड में कूड़ा उठाने वाले वाहन चालक के नंबर जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर एक, तीन में रामुतार दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 9996728863 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक अमन जिनके मोबाइल नंबर 9466727304, रणवीर 9467023902, गौरव 8750802628 है। वार्ड नंबर चार, पांच 11, 12, 16, 19, 21, 22, 23, 31 में भूपेंद्र दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 8708153049 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक सुरेंद्र 7876937787, राकेश 8950773672, राजपाल 8684986124, योगेश 9996128081, जसवीर 9996735753, गुरमुख 7082660648, युधिष्ठिर 9591501660, सुरेश 9896266967, कपिल 7988414027, विक्रम 8813928680 है। वार्ड नंबर आठ, 10, 24 में प्रताप सिंह दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 9050607669 है तथा इसी वार्ड में वाहन चालक सुनील 9817948933, राजेश 7494999735, राजेश 7982173023 है। इसी प्रकार वार्ड नंबर नौ, 27, 29 में राजू दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 8684013535 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक अरुण 8295155961, विजय 8708927946, कृष्णा 5350158212 है। वार्ड नंबर 13,14, 15 में महेंद्र सपलिया है, जिनके मोबाइल नंबर 8168049165 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक सीताराम 8684864369, सज्जन 8950592144, अविनाश 9588163040 है। वार्ड नंबर 17, 18, 20, 28 में नरेश दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 8398067538 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक प्रीतम 7056977601, जोगेंद्र 8708164213, करण 9817818583, योगेश 7082500662 है। वही वार्ड नंबर 25, 26, 30 में राहुल दरोगा है, जिनके मोबाइल नंबर 7988907689 है तथा इन वार्ड में वाहन चालक अमित 7015011627, सावन 9729245753, योगेंद्र 9466926725 है। इसी तरह वार्ड नंबर छः व सात में गिरवर दरोगा है। जिनके मोबाइल नंबर 9468198239 है।

नारनौल। क्यूआर कोड।

टोल फ्री नंबर 8307113197 व एप पर करें शिकायत

जिला नगर आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों से आह्वान किया है कि जिला के शहरी क्षेत्रों में सफाई तथा स्ट्रीट लाइट से संबंधित शिकायत के लिए नागरिक स्वच्छता एप पर जानकारी दर्ज कराएं। इस एप से नगर पालिका व नगर परिषद भी जुड़े हुए हैं। कोई भी नागरिक अपने मोबाइल पर प्ले स्टोर से स्वच्छता एप को डाउनलोड कर गंदगी समेत अन्य समस्याओं की शिकायतें कर सकेंगे। समस्या का फोटो इस एप पर अपलोड करने से वह सीधे नगर परिषद व पालिका के सफाई निरीक्षक के पास पहुंच जाएगा। इसके अलावा सुपरवाइजर कर्मवीर के मोबाइल नंबर 94169 90003 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

स्वच्छता सर्वेक्षण के बारे में फीडबैक के लिए क्यूआर कोड करें स्कैन

शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से स्वच्छता सर्वेक्षण के बारे में आम नागरिकों की ओर से फीडबैक लेने के लिए क्यूआर कोड जारी किया है। कोई भी नागरिक स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में इस कोड को स्कैन करके अपना फीडबैक दे सकता है। नागरिकों का फीडबैक स्वच्छता अभियान के लिए बहुत ही जरूरी है।

एसडीएम ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

चार दिन बाद उम्मीदवारों का भविष्य होगा ईवीएम में बंद

चेयरमैन पद के लिए महिला प्रत्याशी दिन रात एक कर रही मतदाताओं से सीधा संवाद, जनता से किए जा रहे विकास के लंबे-चौड़े वादे

दलीप सिंह ▶▶ कनीना

कनीना। मतदाताओं संवाद स्थापित करती महिला प्रत्याशी। फोटो : हरिभूमि

कनीना। स्टांग रूम का निरीक्षण करते चुनाव अधिकारी एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत व अन्य। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका चुनाव में जोर अजमाइश कर रहे सभी 48 उम्मीदवारों का भाग्य चार दिन बाद ईवीएम में बंद होगा, जो होली त्योहार की पूर्व संध्या पर खुलेगा। इस बार हो रहे नपा आम चुनाव में चेयरमैन पद के लिए सीधा चुनाव हो रहा है। ये पद महिला के लिए रिजर्व किया गया है। जिसे लेकर मैदान में उतरी सात महिलाएं दिन रात एक कर मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित कर रही हैं। आगामी दो मार्च को होने वाले नगर पालिका के चुनाव को लेकर चेयरमैन पद के लिए सात महिला उम्मीदवार सुमन देवी, सरिता सिंह, कुसुमलता, रिंपी कुमारी, संतोष देवी, सबिता देवी व सुमन में मुकाबला माना जा रहा है। इनके अलावा 14 वार्डों से 41 प्रत्याशी पार्षद पद के लिए जोर अजमाइश कर रहे हैं। कनीना नगर पालिका चुनाव के लिए छः जनवरी को अंतिम तिथि मानकर मतदाता सूचि तैयार की गई। जिसके मुताबिक 14 वार्डों में कुल 10413 मतदाता शामिल हैं, जो चेयरमैन सहित वार्ड पार्षदों का चयन करेंगे।

चुनाव के लिए राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना में स्ट्रांग रूम स्थापित किया गया है। जहां मंगलवार को ईवीएम मशीनों सहित चुनावी सामग्री रखी गई है। 27 फरवरी को पोलिंग पार्टियों की रिहर्सल भी यहीं पर कराई जाएगी। एक मार्च को पोलिंग पार्टियों को यहीं से ईवीएम जारी की जाएगी तथा चुनाव के बाद यहीं पर रखी जाएगी। 12 मार्च को सुरक्षा के बीच मतगणना की जाएगी। चुनाव अधिकारी एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत, एआरओ नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल, चुनाव कानूनगो पूनम, विक्रम सिंह की ओर से स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया।

शांतिपूर्वक चुनाव के लिए प्रशासन तैयार

नगर पालिका प्रशासक एवं आरओ एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत ने कहा कि नपा के शांतिपूर्वक चुनाव करवाने के लिए प्रशासन तैयार है। आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन करते हुए चुनाव की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दो मार्च को सुबह आठ बजे से सायं छः बजे तक मतदान होगा। जिसमें सभी 14 वार्डों के 10413 मतदाता चेयरमैन तथा वार्ड पार्षदों का चुनाव करेंगे। उन्होंने बताया कि 12 मार्च सुबह आठ बजे से कड़ी सुरक्षा के बीच राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना में मतगणना की जाएगी।

नारनौल। रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के दौरान मौजूद डीसी डा. विवेक भारती।

उम्मीदवारों व एजेंट्स की मौजूदगी में ईवीएम की सेकेंड रेंडमाइजेशन प्रक्रिया पूरी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि अटेली व कनीना नगर पालिका चुनावों में सभी उम्मीदवार चुनाव आचार संहिता का पालन करें। जिला प्रशासन निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। डीसी मंगलवार को लघु सचिवालय में ईवीएम की सेकेंड रेंडमाइजेशन प्रक्रिया के दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों तथा उनके एजेंट को संबोधित कर रहे थे। उपायुक्त ने बताया कि रेंडमाइजेशन प्रक्रिया से संबंधित बूथ के लिए ईवीएम मशीन निर्धारित की गई है। संबंधित एजेंट मॉक पोल के दौरान नंबर का मिलान कर सकता है। डीसी ने बताया कि अब मशीनों की एफएसएल (फर्स्ट लेवल चैकिंग) संबंधित उम्मीदवारों व उनके एजेंट्स की मौजूदगी में की जाएगी। कनीना में 28 फरवरी को सुबह नौ बजे राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मशीनों की चैकिंग होगी। वहीं अटेली नगर पालिका की ईवीएम मशीनों की चैकिंग भी इसी दिन सुबह नौ बजे अटेली नीरपुर में स्थित नगर पालिका कार्यालय में होगी। उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने नगर पालिका चुनाव के लिए जिला महेंद्रगढ़ में सामान्य आब्जर्वर के तौर पर योगेश कुमार (7056622222) तथा पुलिस ऑब्जर्वर के तौर पर ध्यानचंद (9416120891) को जिम्मेदारी सौंपी है।

टेली के चुनाव में प्रत्याशियों की भागदौड़ हुई तेज

मंडी अटेली। नगर पालिका चुनाव अटेली अब नजदीक हैं, जिसके चलते चुनाव प्रचार-प्रसार एकदम तेज हो गया है तथा चरम पर पहुंचने लगा है। सभी प्रत्याशियों ने ताकत झोंकनी शुरू कर दी है। स्थानीय मुद्दों पर लड़े जा रहे इस चुनाव में एक-दूसरे को घेरने के लिए घर-घर दस्तक दी जा रही है। पूरा अटेली शहर पोस्टर व होर्डिंग से लग गए हैं। यह चुनाव छोटी सरकार के लिए हैं, लेकिन यह विधानसभा चुनाव की तरह लड़ा जा रहा है। पूरे जोश व उत्साह के साथ चैयरमेन ही नहीं पार्षद प्रत्याशी भी जगह-जगह अपने चुनावी कार्यालय खोल दिए हैं। वहीं सभी प्रत्याशियों ने अपने-अपने कार्यालय का उद्घाटन भी कर दिया है। पूरा अटेली शहर चुनावी रंग में रंगा जा चुका है। अटेली के नए बस स्टैंड व पूराने बस स्टैंड के शहर के बीचों बीच झंडा चौक पर पोस्टर, होर्डिंग आदि लगाने की होड़ लगी है तो वहीं प्रत्याशी व समर्थक अपनी-अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात पसीना बहा रहे हैं। भाजपा यहां सिंबल पर चुनाव नहीं लड़ रही है परन्तु पार्टी चैयरमेन भी अपने ही पक्ष का बनाएगी। इसके कारण पार्टी को किसी के पास जाने की जरूरत नहीं हो रही है।

न्यूज डायरी

महेंद्रगढ़। कुलपति टकेश्वर कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

अभाविप ने होली पर अतिरिक्त अवकाश की उठाई मांग

महेंद्रगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इकाई द्वारा विद्यार्थी हित में होली का अतिरिक्त अवकाश व छात्रा हॉस्टल में सेनेटरी पैड इंसीनरेटर इंस्टालेशन के संदर्भ में ज्ञापन दिया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में होली पर्व को लेकर केवल एक दिन का ही अवकाश, जबकि 15 व 16 मार्च को शनिवार एवं रविवार का साप्ताहिक अवकाश है, जिसको ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी परिषद ने 11 मार्च से 16 मार्च तक विद्यार्थियों को होली का अतिरिक्त अवकाश दिलाने की मांग रखी, ताकि जो विद्यार्थी दूसरे राज्यों से यहां आकर पढ़ रहे हैं वे सभी होली पर्व पर अपने घर जा सके।

नारनौल। शिवरात्रि कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में मनाई महाशिवरात्री

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया गया। प्राईमरी हैड उमा यादव की अध्यक्षता में बच्चों ने शिव तांडव कर भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती की सुंदर झांकी निकाली। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बच्चों को महाशिवरात्रि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव पहली बार ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। इस दिन शिव व पार्वती का विवाह भी हुआ था। प्राईमरी हैड उमा यादव ने कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व हिंदू धर्म में धूमधाम से मनाया जाता है। इस पर्व को लेकर कुछ श्रद्धालु कावड़ के रूप में हरिद्वार से गंगाजल कावड़ के माध्यम से लाकर भगवान भोलेनाथ का गंगाजल के साथ अभिषेक करते हैं।

विद्या भारती स्कूल में मनाया महाशिवरात्रि पर्व

नारनौल। महाशिवरात्रि पर्व मनाते हुए।

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के किड्स ब्लॉक में महाशिवरात्रि पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। अध्यापिका गुनगुन ने भगवान शिव व अध्यापिका निशा ने पार्वती का रूप धारण कर विधिवत पूजा अर्चना कर शिव-विवाह लीला प्रस्तुत की। चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने महाशिव के रूप का बखान किया।

सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में मनाया महाशिवरात्रि का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। कार्यक्रम में भगवान शिव व पार्वती की झांकी प्रस्तुत करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में महाशिवरात्रि पर्व पर भजनोपदेश व नाटक प्रस्तुति कार्यक्रम प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें संस्था के एमडी अमित यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने धार्मिक पर्व की उपयोगिता से अवगत कराया। कहा कि भारतीय संस्कृति में धार्मिक भावना व एकजुटता का संदेश समावेशित है। प्रत्येक उत्सव से समाज को जीवन शैली में निखार लाने की प्रेरणा मिलती है। भगवान शिव ने प्रकृति और मानव जाति की सुरक्षा के लिए विषपान किया था। शास्त्रों की मान्यता है कि इस रात्रि को व्यक्ति सीधा बैठकर ध्यान करता है, तो उसके शरीर में विशेष ऊर्जा संचारित होगी, जिससे मानसिक विकारों से निजात पाना संभव हो पाएगा। योग व ध्यान विज्ञान के अनुसार महाशिवरात्रि की रात शरीर की ऊर्जा स्वाभाविक रूप से ऊपर की ओर प्रवाहित होती है। इसके बाद विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी तथा समुद्र मंथन पर आधारित नाटक से युवाओं को परोपकारी बनने की प्रेरणा दी।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शिवरात्रि का पावन पर्व मनाया

महेंद्रगढ़। भगवान शिव की वेशभूषा में विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शिवरात्रि का पावन पर्व मनाया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से आठवीं तक विद्यार्थियों द्वारा अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से भगवान शिव के प्रति सच्ची अराधना करवाई। विद्यार्थियों ने शिव से जुड़ी कहानियां, शिव की तीसरी आंख, त्रिशूल, डमरू व शिव पोस्टर बनाया। शिवलिंग रंगोली व शिव तांडव कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रहे। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि इस उत्सव के माध्यम से सभी को यह याद दिलाया जाता है कि परोपकार के पथ पर चलें जो कि भगवान शिव के ही गुण हैं। इस दिन यज्ञ, वेद-मंत्रों के उच्चारण, साधना और ध्यान के माध्यम से वातावरण में दिव्यता की अनुभूति होती है। यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि सत्य ही शिव हैं और शिव ही सुंदर हैं। भगवान शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदि स्त्रोत हैं। शिव का अर्थ यद्यपि कल्याणकारी माना गया है, लेकिन यह हमेशा लय एवं प्रलय दोनों को अपने अधीन किए हुए हैं। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेन्द्र सिंह, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव उपस्थित रहे।

यदुवंशी कॉलेज की छात्रा सुषमा ने नेट की परीक्षा की उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। छात्रा सुषमा को सम्मानित करते हुए।

यदुवंशी कॉलेज की मेधावी छात्रा सुषमा पुत्री राकेश ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से अंग्रेजी विषय में पहले ही प्रयास में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा नेट में सफलता प्राप्त की है। इस सफलता से सुषमा ने न केवल अपना बल्कि अपने माता-पिता की साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज का नाम भी रोशन किया। सुषमा ने बताया कि सही मार्गदर्शन और कठिन परिश्रम से किसी भी परीक्षा को पास किया जा सकता है। सुषमा की सफलता पर चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने छात्रा को बधाई दी और उसे सम्मानित किया। ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने कहा कि सुषमा ने अंग्रेजी विषय में नेट की परीक्षा पास करके यदुवंशी कॉलेज का नाम रोशन किया। यदुवंशी डिग्री कॉलेज में जिस प्रकार नेट की मुफ्त कोचिंग दी जाती है, यह यदुवंशी की एक नई पहल है और यह विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर भी है। यह कदम छात्रों के बीच शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने में उद्देश्य से उठाया गया है। इससे विद्यार्थी शैक्षणिक दृष्टिकोण से सशक्त बनता है। संस्था वाइस चेयरमैन कर्ण सिंह, चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरूभान व समस्त स्टाफ ने सुषमा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पवित्र संगम जल से विद्यार्थियों को अभिसिंचित

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में समस्त विद्यार्थियों, अध्यापकों व स्टॉफ सदस्यों को प्रयागराज कुंभ से लाए संगम के जल से अभिसिंचित किया गया। विद्यालय प्राचार्य सुनील यादव व डीन मनोज भारद्वाज ने बताया कि 144 वर्षों बाद ये महाकुंभ का दुर्गम संयोग बना है। समस्त देशभर से लोग इस पवित्र संगम में स्नान करने पहुंच रहे हैं। हरियाणा पब्लिक स्कूल ने भी अपने सभी विद्यार्थियों व स्टॉफ सदस्यों के लिए संगम के जल की व्यवस्था की है, ताकि सभी को महासंगम के इस पवित्र जल का पुण्य मिल सके। विद्यालय निदेशक पुष्करमल वर्मा ने कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कारों को भी महत्व दिया जाता है और विद्यार्थियों को हमारी सनातन परंपरा से भी अवगत करवाया जाता है। विद्यालय एमडी डा. हितेश वर्मा व निधि वर्मा ने बच्चों को पवित्र संगम स्नान की बधाई देते हुए बताया कि कुंभ हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर है, जो प्रत्येक 12 वर्षों में देश के प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन व नासिक धार्मिक स्थानों पर मनाया जाता है।

अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने के लिए पहुंची थी सतनाली मोड़ व माजरा खुर्द

अवैध निर्माण तोड़ने गई डीटीपी की टीम पर हमला

- गांव माजरा खुर्द में ग्रामीणों ने टीम पर किया हमला, जेसीबी मशीन का तोड़ा शीशा
- पीड़ति पक्ष का कहना है कि पैतृक जमीन पर कर रहे है निर्माण, बेवजह किया जा रहा परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मौके पर मौजूद पुलिस बल। फोटो : हरिभूमि

गांव माजरा खुर्द में मंगलवार को अवैध निर्माण तोड़ने गई डीटीपी की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया गया। इस दौरान जेसीबी मशीन का शीशा भी तोड़ दिया गया है। वहीं पीड़ति पक्ष का कहना है कि वह अपनी पैतृक जमीन पर दुकान का निर्माण कर रहे हैं। टीम द्वारा उनको बेवजह परेशान किया जा रहा है।

जिला नगर योजनाकार अधिकारी दिनेश सिंह ने बताया कि मंगलवार को डीटीपी की टीम सतनाली मोड़ पर गांव खायरा व माजरा खुर्द में अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने के लिए पहुंची थी। गावं माजरा खुर्द में कृषि भूमि पर दुकान बना रखी थी। विभाग ने उनको पहला नोटिस अक्टूबर में दिया था। इसके बाद इलेक्शन का समय आ गया, उन्होंने वहां पर दुकानें बना ली। उसके बाद उनको दूसरा नोटिस भी दिया गया, लेकिन उन्होंने काम नहीं रोका। इसके बाद टीम कार्रवाई करने के लिए पहुंची थी। इसी बीच गांव माजरा खुर्द पर टीम पर पथराव किया गया। जेबीसी मशीन के शीशा तोड़ दिया गया तथा टीम के ऊपर भी पथराव किया गया, लेकिन समय रहते हम वहां से बचकर निकल आ गए। इसकी पुलिस को शिकायत दे दी गई है। वहीं गांव खायरा के समीप अवैध वॉशिंग स्टेशन के निर्माण को लेकर सीएम विंडो पर एक शिकायत आई हुई थी।

कार्रवाई को बताया गलत

पीड़ति किशन कुमार ने बताया कि वह रिटायर्ड फौजी है। आज डीटीपी ने जो कार्रवाई की है, वह गलत की है। हम अपनी पैतृक जमीन पर दुकान का निर्माण कर रहे हैं, ताकि अपनी दुकान में अपना रोजगार कर सकें। उनके पास पहले नोटिस अक्टूबर में आया था, उसके बाद अब 20 फरवरी को दुकानों के आगे चस्पा करके गए थे। अभी सात दिन भी नहीं हुए हैं और उन्होंने यह कार्रवाई कर दी। इसमें हमें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

मॉडल संस्कृति स्कूल में खंड स्तरीय स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन

मंडी अटेली। भाषा संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली में खंड स्तरीय स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में खंड अटेली के विभिन्न स्कूलों के कक्षा छ से 12 के छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता समापन अवसर पर खंड संसाधन संयोजक मुकेश शर्मा ने कहा कि भाषा, मानव मन के भावों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इसलिए भाषा में सरलता, तरलता और शालीनता का होना जरूरी है। बीआरपी रोहताश श्योराण एवं अजीत यादव ने कहा कि स्पेल बी का उद्देश्य छात्रों में भाषा के प्रति रुचि और ज्ञान को बढ़ावा देना है।

मंडी अटेली। मॉडल संस्कृति स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

सूचना

मैं, लीलावति पत्नी श्री रणबीर सिंह निवासी गांव कमालपुर, तहसील व जिला रेवाड़ी बयान करती हूं कि मेरा पुत्र राजू तथा मेरी पुत्रवधु इन्दु मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

तंबाकू का प्रयोग न करने के लिए शपथ दिलाई

नाहड़। लिलोढ के सरकारी तथा निजी स्कूलों में तंबाकू के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम तथा डेंटल कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डेंटल सर्जन डॉ दीक्षा शर्मा ने कहा कि तंबाकू जानलेवा है। तंबाकू तन और मन दोनों को मलिन कर देता है। तंबाकू कैंसर को बुलावा देता है। तंबाकू हमारी सेहत के लिए बहुत अधिक नुकसानदायक होता है। इससे फेफड़ों का कैंसर एवं हृदय संबंधी बीमारियां होती हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को तंबाकू का उपयोग न करने के लिए शपथ भी दिलाई गई।

हिंदी वर्तनी प्रतियोगिता में प्रिया रही प्रथम

नाहड़। डीपीसी कार्यालय में आयोजित हुई जिला स्तरीय हिंदी वर्तनी प्रतियोगिता में राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बव्वा की सातवीं कक्षा की छात्रा प्रिया ने प्रथम स्थान प्राप्त करके अपने माता-पिता व स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूल के मुख्य अध्यापक अरविंद, अंजू शर्मा, लीलावती, प्रदीप कुमार, प्रेमवीर सिंह, बलजीत कुमार, संतोष व अमित कुमार ने छात्रा प्रिया के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

करिश्मा खोवाल ने नेट परीक्षा में पाई 17वीं रैंक

रेवाड़ी। गांव भालखी माजारा निवासी करिश्मा खोवाल ने अपने पहले प्रयास में ही नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। करिश्मा ने पूरे भारत में 17वीं रैंक हासिल करके अपने माता पिता, गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। करिश्मा ने नेट परीक्षा भूगोल विषय में उत्तीर्ण की। गांव भालखी की बेटी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों के साथ-साथ ताऊ रामकिशन, भूप सिंह व संतोष को दिया है। गांव के सरपंच सुरेंद्र सिंह, मनोज कुमार मनेठी, नरेंद्र कुमार मनेठी व रामकुंवार प्रजापत ने करिश्मा को बधाई दी।

भाकली स्कूल में 1180 ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

कोसली। गांव भाकली स्थित एसकेजी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। परीक्षा में कक्षा दूसरी से 12वीं तक के 1180 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एसकेजी शिक्षा समिति के प्रधान राय सिंह ने विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप टेस्ट के लिए बधाई दी।

नठेड़ा के शिव मंदिर में होली गायन आज

कोसली। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नठेड़ा के शिव मंदिर में होली गायन कार्यक्रम का आयोजन 26 फरवरी बुधवार को किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव व विशिष्ट अतिथि होशियार सिंह नंबरदार रहेंगे।

कैडेट चंद्रकांत ने अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में पाया तृतीय स्थान

कैडेट आयुष सिन्हा ने अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में विश्व स्तर पर पांचवां स्थान लेकर रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सैनिक स्कूल के कैडेट व अध्यापक अवार्ड के साथ।

विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से अनुमोदित व अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड फाउंडेशन नई दिल्ली की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड प्रतियोगिता में सैनिक स्कूल के कक्षा छह के छात्र कैडेट आयुष सिन्हा ने विश्व स्तर पर पांचवा स्थान प्राप्त किया है, वहीं कक्षा छह के ही कैडेट चंद्रकांत ने अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में क्षेत्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन का उद्देश्य हिंदी भाषा को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समृद्ध बनाना है। संस्थान का उद्देश्य छात्रों की हिंदी व्याकरण के प्रति रूचि जागृत करने के साथ-साथ उनकी बौद्धिक क्षमता को निखारने के लिए मानक भाषा का ज्ञान प्रदान करना भी है। हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन बच्चों में शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, बौद्धिक क्षमता का पता लगाने और प्रतिस्पर्धी भावना विकसित करने को बढ़ावा देती है। सीडी देशमुख ऑडिटोरियम, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्ली में आयोजित हुए सम्मान समारोह में कैडेट आयुष सिन्हा को विश्व स्तर पर पांचवीं रैंकिंग प्राप्त करने पर भारतीय थल सेना के उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राकेश कपूर ने ट्रॉफी व प्रमाण पत्र प्रदान किया तथा कैडेट चंद्रकांत को क्षेत्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए कांस्य पदक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टनब्रिज किशोर, उप-प्राचार्या विंग कमांडर सुनैना चाहार, प्रशासनिक अधिकारी मेजर जयसिंह तथा विद्यालय के हिंदी विभाग के परीक्षा समन्वयक दुर्गा सिंह, योगेश कुमार सिंघल व प्रवीण मिश्रा को भी सम्मान प्रदान किया गया। परीक्षा में विद्यालय के 64 छात्रों ने भाग लिया और कैडेट आयुष सिन्हा को विश्व स्तर पर श्रेष्ठ 10 प्रतिभागियों में चुना गया। दस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगियों की परीक्षा में कैडेट आयुष सिन्हा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पांचवीं रैंकिंग दी गई।

प्रतियोगिताओं से बौद्धिक क्षमता का आंकलन

प्राचार्य ने कहा कि हिंदी ओलंपियाड जैसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का आंकलन, शुद्ध वर्तनी एवं भाषा संबंधी ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति एक नई उमंग उत्पन्न होगी। विद्यालय उप-प्राचार्य विंग कमांडर सुनैना चाहार, प्रशासनिक अधिकारी मेजर जयसिंह तथा वरिष्ठ अध्यापक सहित सभी शिक्षकों ने हिंदी विभाग और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर दिया नशे से दूर रहने का संदेश

डहीना। विवेकानंद पीजी कॉलेज डहीना में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के पांचवें दिन विवेकानंद शिक्षा समिति के चेयरमैन रामानन्द यादव ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने रैली के माध्यम से ग्रामीणों को को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। लड़कियां समाज को नशा मुक्त बनाने और अन्य सामाजिक बुराईयों को खत्म करने में अच्छी भूमिका अदा कर सकती है। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि किसी भी मुहिम की सफलता सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करती है। नशा छोड़ने के लिए प्रेरणा देकर इस दलदल से बाहर निकाला जा सकता है।

लाइटों से सजे शहर के मंदिर, शिवालयों का फूलों से किया श्रृंगार

महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा, श्रद्धालु करेंगे जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। महाशिवरात्रि पर लाइटों से जगमग अनाजमंडी शिव मंदिर व सजाया गया घंटेश्वर महादेव मंदिर।

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शहर के सभी मंदिरों को आकर्षक लाइटों व शिवालयों को फूलों से सजाया गया है। जिले में बुधवार को महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। श्रद्धालु शिवालयों में जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक करेंगे। 26 फरवरी को अल सुबह से ही शिव मंदिरों में चहल-पहल रहेगी। भगवान शिव को समर्पित महाशिवरात्रि पर्व को लेकर मंदिर कमेटियों की ओर से सभी तैयारियां कर ली गई है। महाशिवरात्रि के पर्व को लेकर शहर के मोती चौक स्थित प्राचीन घंटेश्वर महादेव मंदिर, शिव चौक स्थित शिव प्रतिमा, सोलहराही स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर, नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर व भाड़ावास रोड स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर सहित सभी शिव मंदिरों में धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। मंदिर कमेटियों व प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूरी व्यवस्था कर ली है। मंदिरों में व्यवस्था बनाने के लिए पुलिसकर्मी भी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। महाहशवरात्रि पर श्रद्धालु व्रत रखकर पूजन के साथ जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक व रुद्राभिषेक अनुष्ठान पूरे विधि-विधान के अनुसार करेंगे। मान्यता है कि ऐसा करने वाले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। महाशिवरात्रि के पर्व पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कई सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं की ओर से शिव संकीर्तन महोत्सव का आयोजन भी किया जा रहा है। महा शिवरात्रि में भोलेनाथ का गन्ने के रस से अभिषेक करने पर लक्ष्मी प्राप्ति, दूध से मनोकामनाएं पूर्ण, घी से आरोग्यता व वंश वृद्धि, इत्र युक्त जल से बीमारी नष्ट होती है। सरसों के तेल से शत्रु नाश, दही से भवन वाहन प्राप्ति तथा शहद युक्त जल से अभिषेक करने पर समस्त पापों का नाश होता है।

ऐसे में महाशिवरात्रि का महापर्व 26 फरवरी को मनाया जाएगा। साथ ही इसी दिन महाकुंभ का आखिरी स्नान होगा। इसके अगले दिन यानी 27 फरवरी को प्रातः 6 बजकर 48 मिनट से 8 बजकर 54 मिनट तक व्रत का पारण किया जा सकता है। आचार्य ने बताया कि 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन प्रातः 11 बजकर 3 मिनट से रात 10 बजकर 17 मिनट तक भद्रा का साया है। सनातन शास्त्रों के अनुसार, भद्रा के दौरान शुभ और मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं। स्वर्ग लोक और पाताल लोक की भद्रा को अशुभ नहीं माना जाता है। महाशिवरात्रि के दिन भद्रा का वास पाताल लोक में होगा, तो ऐसे में महाशिवरात्रि के दिन किसी भी समय महादेव की पूजा की जा सकती है।

महाशिवरात्रि पर भद्रा का साया

ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री का कहना है कि शिव पुराण में महाशिवरात्रि के पर्व का विशेष महत्व है। इस दिन महादेव और मां पार्वती की पूजा का विधान है। अपने आराध्य देव की पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं को इस दिन का बड़ा इंतजार रहता है। इस बार महाशिवरात्रि पर भद्रा का साया भी है। भद्रा के दौरान प्रमुख पर्व की पूजा, मुंडन संस्कार और ग्रह प्रवेश समेत शुभ और मांगलिक कामों पर रोक रहती है। ज्योतिषाचार्य ने कहा कि पंचांग के अनुसार महाशिवरात्रि की तिथि 26 फरवरी को प्रातः 11 बजकर 8 मिनट पर शुरू हो रही है और 27 फरवरी को प्रातः 8 बजकर 54 मिनट तक रहेगी।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम 6 बजकर 19 मिनट से लेकर रात्रि 9 बजकर 26 मिनट तक तथा रात्रि रात 12 बजकर 34 मिनट तक है।

रेवाड़ी। अधिकारियों की बैठक लेते हुए एडीसी।

नशे के खात्मे को लेकर तालमेल से काम करें

- जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एडीसी अनुपमा अंजलि की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क हादसे रोकने के लिए विभागाध्यक्ष व पुलिस अधिकारियों से चर्चा की गई। एडीसी ने एसपी डा. मयंक गुप्ता के साथ सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पुलिस तथा आरटीओ के साथ मिलकर नियमित रूप से स्कूलों की बसों की जांच करने के निर्देश दिए। एडीसी ने एंबुलेंस के रिस्पांस टाइम में तेजी लाने, बिना हेलमेट, सीट बेल्ट, गलत दिशा में वाहन चलाने वालों, सिग्नल तोड़ने वालों, लिमिट से अधिक सवारियां लेकर चलने वाले वाहनों के चालान करने, सड़कों पर साइन बोर्ड लगवाने, दुर्घटना का ऑडिट, ब्लैक स्पॉट, एक्सीडेंट प्रोन प्वाइंट चन्हित करने व अवैध कट बंद करने के भी निर्देश दिए। एडीसी ने बैठक में जिले में नशे के खात्मे को लेकर पुलिस के अलावा सभी विभागों के अधिकारियों को व्यापक रणनीति तथा आपसी तालमेल के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नार्को समन्वय कमेटी का गठन इसीलिए ही किया गया है कि सकारात्मक व प्रभावी कदम उठाते हुए जिला के युवाओं को नशे से दूर रखा जाए। उन्होंने कहा कि जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन के साथ-साथ विद्यालय व महाविद्यालय के विद्यार्थियों को नशा न करने बारे जागरूक किया जाए। उन्होंने युवाओं से भी आह्वान किया कि सरकार व जिला प्रशासन द्वारा नशा मुक्त समाज का निर्माण करने के लिए चलाई जा रही मुहिम में भी बढ़-चढकर भाग लें।

यदि कोई व्यक्ति नशा बेच रहा है अथवा सेवन कर रहा है तो इसकी सूचना जिला प्रशासन तथा हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के टोल फ्री मोबाइल 9050891508 पर दें। इस दौरान सीटीएम प्रीति रावत, एसडीएम बावल उदय सिंह व एसडीएम कोसली विजय कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्राकृतिक खेती से खुशहाल होगा किसान : देवव्रत

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| रेवाड़ी/कुंड

रेवाड़ी। कार्यक्रम में राज्यपाल का स्वागत करते हुए।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने प्राकृतिक खेती को वक्त की जरूरत बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नेचुरल फॉर्मिंग के लिए देशव्यापी मिशन शुरू करने को बहुत बड़ा फैसला करार दिया है। इससे न सिर्फ पर्यावरण बचेगा, बल्कि किसानों की आय भी बढ़ेगी। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि प्राकृतिक खेती से देश के किसानों का जीवन सही मायने में अच्छा बनेगा। उन्होंने कहा कि हम जो खा रहे है, वह धीमा जहर है। प्राकृतिक खेती ही हमें स्वस्थ्य रखेगी। इसी से धरती बचेगी और वह बंजर नहीं होगी। राज्यपाल आचार्य देवव्रत मंगलवार को माजरा भालखी में श्री कृष्ण वैलनेस यज्ञ, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन करने उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव प्रेरणादायक व परिणामदायी होते हैं। धरती मां को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण और इनकी जानकारी के बाद इसके महत्व को समझ रहे हैं। ऐसे किसानों की संख्या बढ़ रही है। पेस्टीसाइड और अंधाधुंध फर्टिलाइजर के इस्तेमाल से जमीन बंजर हो रही है। उसके अंदर मौजूद सूक्ष्य जीवाणु मर रहे हैं। केंचुए खत्म हो रहे हैं। केंचुआ तो किसान का सबसे बड़ा मित्र है। जैविक खेती तथा प्राकृतिक खेती बिल्कुल अलग-अलग हैं। प्राकृतिक खेती में बाहर से कच्चा माल लाने की जरूरत नहीं होती, लागत लगभग नगण्य होती है।

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर ठगी का आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ठगी का आरोपी।

साउथ रेंज साइबर थाना पुलिस ने वर्क फ्रॉम होम के नाम पर लाखों रुपये की ठगी के आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया है। मूल रूप से हिसार के भैणी अमीरपुर निवासी अमरजीत ने 18 जनवरी को साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि वह धारूहेड़ा के सेक्टर-4 में किराए के मकान में रह रहा है। 13 जनवरी को उसके पास एक मैसेज आया था। मैसेज में बताया गया था कि अगर वह वर्क फ्रॉम होम के जरिए पैसे कमाना चाहता है तो भेजे गए लिंक पर क्लिक करके अपना रजिस्ट्रेशन करा सकता है। उसने लिंक पर क्लिक करते हुए रजिस्ट्रेशन करा दिया। रजिस्ट्रेशन होने के बाद उसे 66 रुपये मिले। इसके बाद लिंक के जरिए इंस्टॉल हुई ऐप पर उसने 100 रुपये जमा कराए, जिसके बदले उसे 230 रुपये मिले। ज्यादा टास्क करने के लिए उससे ट्रांजेक्शन के जरिए 202365 रुपये जमा करा लिए। उसे मैसेज भेजकर बताया गया कि अगर पैसा वापस चाहिए तो उसे 1.12 लाख रुपये और जमा कराने होंगे।

शहर में निकाली महाकाल की सवारी अघोरी डांस व डमरू पार्टी से बिखेरी छटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। महाकाल की सवारी में अघोरी की झांकी व पालकी में विराजमान भोलेनाथ।

महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को मोती चौक स्थित घंटेश्वर मंदिर से भोले बाबा की बारात व झांकी का निकाली गई। मुख्य अतिथि उद्योगपति आकाश सोमानी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

महाकाल की सवारी घंटेश्वर मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर पुरानी सब्जी मंडी, भाड़ावास रोड गेट, नई सब्जी मंडी, कटला बाजार, कानोड़ गेट, रेलवे रोड व गोकल गेट से होती हुई वापस मंदिर में सम्पन्न हुई। महाकाल की सवारी में उज्जैन से बाबा महाकाल की पालकी दर्शनीय रही। बाबा महाकाल की बारात में अघोरी, मां दुर्गा, शनिदेव, इंद्रदेव, मां काली व हनुमान जी की झांकी भी शामिल रही। महाकाल की सवारी में उज्जैन से आई डमरू पार्टी, दिल्ली से आई नपीरी एवं ताशा की धमक ने भक्तों का मन मोह लिया। इस मौके पर मां गोरा एवं भोलेनाथ फूल बंगले में विराजमान थे। भोले बाबा की बारात में शहर के अनेक लोग बराती बनकर नांचे। 27 फरवरी को मंदिर के पास भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के प्रधान अरूण गुप्ता, उपप्रधान ललित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पारुल डाटा, सचिव मनीष अग्रवाल, सदस्य नीरज अग्रवाल, प्रेम शंकर गोयल, अमर सैनी, हर्ष शर्मा, पवन गोयल, दीपक, अशोक शर्मा, रमेश गोयल, रिंकू डाटा, लक्ष्य गुप्ता,यश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, बिशन सिंहल, संजय गोयल, पुरषोत्तम गोयल व रमेश वशिष्ठ सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पर्व | *खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा : मास्टर बीरेंद्र सिंह*

भिवानी व आकाश डूंगरवास की कबड्डी टीम फाइनल में पहुंची

धार्मिक और देश भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। डूंगरवास में प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथि व खेल विजेताओं को सम्मानित करते आयोजक।

गांव डूंगरवास में मंगलवार से दो दिवसीय महाशिवरात्रि पर्व का शुभारंभ किया गया। गांव के बाबा रूपादास मंदिर प्रांगण में खेल स्पर्धाएं आयोजित की गई। मंदिर कमेटी के प्रधान मास्टर बीरेंद्र सिंह भाटोटिया एवं गांव के व्योवृद्ध राव बलबीर सिंह ने खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर मास्टर बीरेंद्र सिंह ने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हैं। यह न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि मानसिक विकास और चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलकूद से अनुशासन, धैर्य, टीम भावना, और नेतृत्व कौशल का विकास होता है, जो हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में सफलता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश ने अनेक महान खिलाड़ियों को जन्म दिया है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। हरियाणा राज्य विशेष रूप से कुश्ती, कबड्डी, हॉकी और बॉक्सिंग जैसे खेलों में अग्रणी रहा है। इस दौरान मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष सजन सिंह फौजी, भूदेव यादव, मुकेश कुमार रमेश कुमार, होशियार पंच, थानेदार पृथ्वी सिंह, विकास नंबरदार, डा. छोटेलाल व कुंदन लाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मंगलवार को ये हुए खेल मुकाबले

कबड्डी के मुकाबलों में पहला मैच गढ़ी माहेश्वरी व डूंगरवास के बीच हुआ, जिसमें डूंगरवास विजयी रहा। कलिंग भिवानी और रॉयल क्लब डूंगरवास के बीच मुकाबले में कलिंग भिवानी ने जीत हासिल की। जोनावास और आकाश डूंगरवास के मैच में डूंगरवास ने जीत हासिल की। नंदरामपुर बास व मुंडिया खेड़ा के बीच मैच में नंदरामपुर जीता। सेमीफाइनल का पहला मुकाबला वंश क्लब डूंगरवास और कलिंग भिवानी के बीच हुआ, जिसमें भिवानी ने जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल आकाश डूंगरवास और नंदरामपुर के बीच हुआ, जिसमें डूंगरवास ने जीत हासिल की। बुधवार को समापन अवसर पर कबड्डी का फाइनल मुकाबला होगा। पहले दिन 1600, 400, 100 मीटर ब्वॉयज की दौड़ हुई। इसके अलावा गोला फेंक और ऊंची कूद के मुकाबले हुए।